प्रत्येक सोमवार को हल्द्वानी से प्रकाशित

भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक कार्यालय से प्रदत्त पंजीयन संख्या : UTTHIN/2017/73662

कुमाऊं जनसन्देश

www.kumaonjansandesh.com

वर्ष – 9 | अंक – 2 | हल्द्वानी(नैनीताल) | सोमवार 8 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ – 4 | मूल्य – 2.00 रुपया

नैनाताल दुग्ध संघ के 43 कार्मिकों की पदोन्नतियों को हरी झंडी

नैनीताल आँचल दुग्ध संघ के प्रतिनिधिमंडल की मंत्री से मुलाकात रही सफल

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

देहरादून/लालकुआं। बीती रविवार को नैनीताल आंचल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., लालकुआं के कर्मचारियों की वर्षों से लंबित मांगों को लेकर संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने दुग्ध विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करते हुए प्रस्ताव मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बैठक की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि पिछले 14 वर्षों से लंबित पात्र 43 कर्मचारियों की पदोन्नति के प्रस्ताव को मंत्री ने सहमति प्रदान कर दी गई। अध्यक्ष मुकेश बोरा ने मंत्री के समक्ष कई अन्य अहम मुद्दे भी उठाए, जिनमें पर्वतीय क्षेत्रों में महिला डेरी सचिवों को मानदेय 50 पैसे से बढ़ाकर 1 रुपया करने की मांग व मैदानी क्षेत्र में सचिवों को पर्वतीय क्षेत्र की भांति किये जाने का प्रस्ताव रखा गया। महंगाई भत्ते की पुरानी व्यवस्था बहाल करना, वर्ष 2016 से 2019 तक के सातवें वेतनमान के एरियर को अनुमन्य करना, 1 लाख लीटर दुग्ध हैंडलिंग क्षमता के अनुरूप स्टाफिंग पैटर्न लागू करना, अत्याधुनिक एन.डी.डी.बी. प्लांट में मशीनरी की विशेषज्ञ स्थापना शामिल रही।

मंत्री बहुगुणा ने कहा "दुग्ध संघ दो कदम चलेगा तो सरकार पाँच कदम उसके साथ चलेगी। किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हित में सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। दुग्ध क्षेत्र में सुधार और कर्मचारियों की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए ऐतिहासिक निर्णय जल्द लिए जाएंगे।"

मुकेश बोरा ने मंत्री के बयान पर कहा "मंत्री सौरभ बहुगुणा द्वारा दिया गया विश्वास हमारे कर्मचारियों और किसानों दोनों के लिए उत्साहवर्धक है। सरकार और दुग्ध संघ के संयुक्त प्रयास से दुग्ध उत्पादकों की समस्याओं का व्यापक समाधान संभव होगा।" उन्होंने मंत्री का आभार जताते हुए कहा कि यह निर्णय हजारों दुग्ध उत्पादकों और कर्मचारियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगा। संघ के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि शेष मांगों पर भी शीघ्र निर्णायक कदम उठाए जाएंगे। भेंट के दौरान वित्त प्रभारी उमेश पठालनी, प्रशासन/विपणन प्रभारी संजय सिंह भाकुनी, पी एंड आई सुभाष बाबू, कारखाना प्रबंधक धर्मेन्द्र सिंह राणा, खलील अहमद, शांति कोरंगा, मुन्नी आर्या, मोहन जोशी, कमलेश कुमार, रमेश मेहता, रमेश आर्या, विपिन तिवारी, हेमन्त पाल, मीना रौतेला, राजू दुम्का सहित कर्मचारी मौजूद रहे।

नगर पंचायत लालकुआं की बोर्ड बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित

बैठक में नगर की विभिन्न समस्याओं एवं विकास कार्यों पर किया गया विचार–विमर्श

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

लालकुआं। नगर पंचायत लालकुआं की बोर्ड बैठक में सिटी फॉरेस्ट पार्क निर्माण, विभिन्न सरकारी भवनों पर सोलर प्लांट, शहर के डिवाइडर एवं ओवर ब्रिज का सौंदर्यकरण और प्रशासन द्वारा सीज किए गए भवन का भवनकर निरस्त करने समेत कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। नगर पंचायत के सभागार में आयोजित बोर्ड बैठक नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह लोटनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें नगर की विभिन्न समस्याओं एवं विकास कार्यों पर विचार–विमर्श किया गया।

बैठक में सिटी फोरेस्ट पार्क हेतु प्रथम चरण में 20 लाख की धनराशि स्वीकृत करने, अम्बेडकर पार्क एवं निकाय के अन्य भवनों की छत पर सोलर प्लांट स्थापित करने, हाट बाजार के समीप सार्वजनिक शौचालय के प्रथम तल पर रैन बसेरा निर्माण कार्य का प्रस्ताव पारित, विद्युत समस्याओं के निराकरण हेतु एसडीओ लालकुआं को बैठक में बुलाकर तमाम समस्याओं पर कार्यवाही की रूपरेखा तय की गई। निकाय के विभिन्न जीर्ण–क्षीर्ण भवन व प्रशासन द्वारा अधिग्रहित सम्पत्ति पर लगे भवनकर को निरस्त करने का प्रस्ताव पारित किया गया। शहर के सौंदर्यीकरण के लिए नेशनल हाईवे के डिवाइडर पर स्थापित विद्युत पोलों पर तिरंगा एलईडी लाइट व ऑवर ब्रिज पर हैगिंग गार्डन बनाये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। सर्व सम्मति से पारित किया गया कि लालकुआं बाजार को व्यवस्थित किये जाने हेतु ब्यापार मण्डल एवं प्रशासन से समन्वय स्थापित कर विधिवत कार्ययोजना तैयार की जायेगी। बैठक में अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह लोटनी, सभासदगण नेहा आर्या, शबनम, सुरेश साह, भुवन पाण्डे एवं अधिशासी अधिकारी ईश्वर सिंह रावत सहित कर्मचारी मौजूद रहे।

हरक सिंह रावत की टिप्पणी से सिख समाज आहत

हल्द्वानी। देहरादून में अधिवक्ताओं के जारी धरना–प्रदर्शन के दौरान पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत द्वारा एक सिख अधिवक्ता पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर देशभर के सिख समाज में गहरा आक्रोश है। बीते रविवार को इसके विरोध में सिख समाज ने तिकोनिया स्थित बुधपार्क में एकत्र हुए और हरक सिंह रावत के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। इस दौरान सिख समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह टिप्पणी केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरे सिख समुदाय का अपमान है। गुरुप्रीत प्रिंस ने कहा कि 12 बजे कोई मजाक नहीं यह सिख इतिहास का गौरव है। सिख फेडरेशन के गगनदीप कोहली ने कहा कि धर्म का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं गगन सयाली ने मांग की कि हरक सिंह रावत गुरुद्वारा साहिब में जाकर सार्वजनिक रूप से सिख समाज से मापफी मांगे। पुतला दहन करने वालो में परमजीत सिंह पम्मा, मनप्रीत सेठी, अमन कोहली, कुलविन्दर सिंह, तरन बिंद्रा, बलविंदर सिंह, बलबीर सिंह, मनिंदर सिंह, मनजीत सिंह, अमनदीप सिंह, कंवलजीत रेखी, पुनीत सबरवाल, कमलदीप, दिलप्रीत सिंह, बलजीत आनंद, रविंद्रपाल सिंह हेमी, सुरेन्द्र सेठी, इकजोत कालरा मौजूद रहे।

वेटरनरी डाक्टरों ने ली सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा

पंत विवि में 61वें शपथ समारोह में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को प्रमाण–पत्र दिए

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

पंतनगर। पंत विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय में बैच 2020 का 61वां शपथ ग्रहण समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जहां भावी पशु चिकित्सकों ने सेवा और कर्तव्यनिष्ठा की पवित्र प्रतिज्ञा ली। प्रतिज्ञा लेने के बाद, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को प्रमाण–पत्र दिए गए, जिनमें अपूर्वा रावत (प्रथम), अविनाश पराशर पांडेय (द्वितीय) और दीक्षा उप्रेती (तृतीय) शामिल रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डा. अमरेश कुमार (पूर्व कार्यवाहक कुलपति एवं अधिष्ठाता) उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्रों को शपथ दिलाई और उज्जवल भविष्य हेतु कठिन पारिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर डा. मनमोहन सिंह चौहान ने की, जिन्होंने छात्रों को आशीर्वाद दिया तथा विभिन्न विषयों में पारंगत होने तथा विशेषज्ञता प्राप्त करके देश व समाज की सेवा कर विष्वविद्यालय का सम्मान बढ़ाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डा. दीपा विनय ने विद्यार्थियों को उनके समर्पण एवं सेवाभाव हेतु विशेष सराहना की। अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय डा. ए.एच. अहमद ने विद्यार्थियों द्वारा हासिल की हुई दक्षता को पशु सेवा हेतु उपयोग करने की अपील की। इंटर्नशिप प्रभारी डा. मंजुल कांडपाल ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य हेतु विश्वविद्यालय के शिक्षकों की तरफ से विशेष शुभकामनायें दी। इस अवसर पीयूष पाण्डेय, जागृति उप्रेती, फैज़ान अहमद, सुभाष कुमार, राहुल जोशी, अपूर्वा रावत, बारीशा अली, रितिप्सा भट्ट, स्नेहा कुमारी, स्नेहा नेगी, सौरभ सिंह, आभा रावल, आकांक्षा पाण्डेय, वैशाली नेगी, सुनीता रावत तथा नीरज बिष्ट को उनकी उपलब्धियों हेतु सम्मानित किया गया। मंच पर अधिष्ठाता डा. ए.एच. अहमद, कुलसचिव डा. दीपा विनय और इंटर्नशिप प्रभारी अधिकारी डा. मंजुल कांडपाल भी मौजूद थे। कार्यक्रम का समापन डा. मंजुल कांडपाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम में विवि के अधिष्ठाता, निदेशक एवं पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय के सदस्य मौजूद थे।

सम्पादकीय...

नाइट क्लब में आग की घटना से जानलेवा लापरवाही उजागर

गोवा के एक नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत अपने देश में सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति बरती जाने वाली उस लापरवाही को ही बयान करती है, जो बार–बार देखने को मिलती है। इस तरह के हादसे रह–रहकर होते ही रहते हैं, लेकिन कहीं कोई सबक नहीं सीखा जा रहा है। गोवा का जो नाइट क्लब आग की चपेट में आया, वह नियमों की अनदेखी करके तो चलाया ही जा रहा था, उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं किए गए थे। रही–सही कसर इससे पूरी हो गई कि नाइट क्लब में आने और जाने का रास्ता बेहद संकरा था। आग की चपेट में आने वालों की संख्या इसलिए अधिक बढ़ गई, क्योंकि बचने के लिए उन्होंने जिस रास्ते को सुरक्षित समझा, वहां पहले से ही लोग फंसे हुए थे। इससे बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि इस हृदयविदारक घटना के बाद उच्चस्तरीय जांच की बात की जा रही है और दोषी लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का वादा किया जा रहा है। ऐसे हर हादसे के बाद ऐसे ही वादे किए जाते हैं, लेकिन कुछ समय बाद फिर कहीं न कहीं उन्हीं कारणों से कोई भयावह दुर्घटना घट जाती है, जिन कारणों से पहले घट चुकी होती है। कायदे से तो इस नाइट क्लब को खोले जाने की अनुमति ही नहीं दी जानी चाहिए थी और यदि दी भी गई तो सुरक्षा के पूरे उपाय सुनिश्चित किए जाने चाहिए थे। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं किया गया। स्पष्ट है कि यह नाइट क्लब अवैध तरीके से उन्हीं विभागों की अनदेखी अथवा मिलीभगत से चल रहा था, जिन पर नियम–कानूनों के पालन का दायित्व था। होना तो यह चाहिए कि जिन विभागों की अनदेखी–उपेक्षा के चलते नाइट क्लब चल रहा था, सबसे पहले उनके संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। गोवा की यह घटना यह भी बता रही है कि ऐसे स्थलों में सुरक्षा व्यवस्था की जो नियमित जांच–पड़ताल होनी चाहिए, वह भी नहीं की गई। यह पहली बार नहीं है जब किसी सार्वजनिक स्थल पर आग लगी हो और इतने लोगों की जान गई हो। इस तरह की घटनाएं लगातार होती रहती हैं। ऐसी घटनाओं में बड़ी संख्या में लोग जान गंवाते हैं। जब ऐसा होता है तो कठोर कार्रवाई करने की घोषणा होती है और शोक संवेदनाओं का तांता लग जाता है, लेकिन स्थितियों को सुधारने के बजाय मुआवजे की घोषणा करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है। हमारे नीति–नियंताओं को यह समझना होगा कि इस तरह की घटनाएं केवल जान–माल को ही क्षति नहीं पहुंचातीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। इस तरह की घटनाएं यही रेखांकित करती हैं कि विकसित बनने के आकांक्षी भारत में नियम–कानूनों की हर स्तर पर उपेक्षा होती है और इस देश में जिम्मेदारी के साथ कोई काम मुश्किल से ही किया जाता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र का प्रमुख माडल बनेगा इंटीग्रेटिव वेलनेस मेडिसिन

हल्द्वानी। दून मेडिकल कॉलेज के एसोसिएट प्रो. डा. एनएस बिष्ट ने रविवार को आईएमए सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि इंटीग्रेटिव वेलनेस मेडिसिन आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र का प्रमुख मॉडल बनेगा। डा. बिष्ट ने अपने व्याख्यान में तेजी से बदलती जीवनशैली और तनावपूर्ण कार्यशैली से उत्पन्न बीमारियों के संदर्भ में स्वास्थ्य को बनाए रखने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में चिकित्सा की दिशा पूरी तरह से बदलने वाली है, और नई चिकित्सा पद्वतियों में इंटीग्रेटिव और वेलनेस मेडिसिन को महत्वपूर्ण स्थान मिलने वाला है। इस पद्वति में इलाज के साथ–साथ जीवनशैली, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और शरीर के संतुलन पर समान ध्यान दिया जाता है। इंटीग्रेटिव मेडिसिन के महत्व को समझाते हुए डा. बिष्ट ने बताया कि इस मॉडल में मरीज की डाइट, नींद, तनाव और आदतों का व्यापक मूल्यांकन किया जाता है, और गट हेल्थ, माइक्रो–न्यूट्रिएंट्स और इंफ्लेमेशन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि दवाओं के साथ–साथ योग, पोषण, माइंडफुलनेस और वेलनेस थेरेपी का संतुलित संयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा विश्वभर में इस मॉडल को अपनाया जा रहा है, खासकर अमेरिका और यूरोप के प्रमुख अस्पतालों में इंटीग्रेटिव मेडिसिन यूनिट्स तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने मानसिक तनाव कम करने की तकनीकें जैसे ब्रीदिंग थैरेपी और इम्यून थैरेपी का उल्लेख किया, जो कई बीमारियों को समय से पहले ठीक करने में सहायक हो रही हैं। खासकर कैंसर के मरीजों के लिए माइंडफुल ब्रीदिंग बेहद लाभकारी साबित हो रही है, और यह तनाव और पेन मैनेजमेंट का हिस्सा बन चुका है।

जगदंबा पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया

हल्द्वानी। बीते रविवार को साथी संगठन के साप्ताहिक जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत वार्ड नंबर–8 स्थित जगदंबा पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम का संचालन स्थानीय पार्षद रवि वाल्मीकि के नेतृत्व में हुआ। जन जागरूकता के तहत पार्क में जमा पॉलिथीन, पान–तंबाकू रैपर और अन्य कूड़े को एकत्रा कर नगर निगम की गाड़ी में डाला गया। जिसके बाद संगठन की एक बैठक हुई जिसमें संगठन के रजिस्ट्रेशन के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन, उत्तरायणी पर्व–2026 में स्वच्छता, बेटी पढ़ाओ–बचाओ, मद्य निषेध, वृक्षारोपण जैसी झांकी निकालने को लेकर मंथन हुआ, साथ ही शरद ऋतु में गरीबों के बीच कंबल वितरण जैसे मुद्दों पर विचा विमर्श किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। इस मौके पर महासचिव लक्ष्मण सिंह गौनिया, मोहन सिंह मेहरा, वीरेंद्र सिंह भाकुनी, किशोर कुमार जोशी, जीवन पंतोला आदि मौजूद रहे।

डीएम भदौरिया ने की पंतनगर एयरपोर्ट विस्तारीकरण परियोजना की समीक्षा

अधिकारियों को तय समय में परियोजना पूरी करने के दिए निर्देश

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

रुद्रपुर। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बीती शनिवार को कैम्प कार्यालय में पंतनगर एयरपोर्ट विस्तारीकरण परियोजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। जिलाधिकारी ने परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराए जाने पर जोर देते हुए कहा कि यह प्रदेश की महत्वपूर्ण अधोसंरचना परियोजना है, जिसके पूर्ण होने से कुमाऊँ मंडल में कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों में व्यापक वृद्धि होगी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि एयरपोर्ट विस्तारीकरण की जद में आ रहे विभागीय भवनों का ध्वस्तीकरण हर हाल में 31 दिसम्बर 2025 तक पूरा कर लिया जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई विभाग स्वयं निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्रवाई नहीं करता है तो 01 जनवरी 2026 से बुलडोज़र लगाकर अनिवार्य रूप से ध्वस्तीकरण कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने बैठक में निर्माणाधीन पंतनगर थाना भवन की स्थिति की जानकारी ली। इस पर उपजिलाधिकारी रुद्रपुर ने बताया कि लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा अवशेष कार्य भी शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने थाना भवन को भी प्राथमिकता के आधार पर तय समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने डीएफओ को एयरपोर्ट के विस्तारीकरण क्षेत्र में आने वाले पेड़ों के कटान कार्य में और अधिक गति लाने के निर्देश दिए, ताकि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो।

इसी क्रम में जिलाधिकारी ने निदेशक, पंतनगर एयरपोर्ट को भी निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल के कार्य को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी रुद्रपुर को निर्देशित किया कि विद्युत विभाग, वन विभाग, एनएचएआई तथा एयरपोर्ट अथॉरिटी के साथ एक संयुक्त टीम गठित कर स्थलीय निरीक्षण किया जाए तथा एयरपोर्ट विस्तारीकरण कार्य की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने परियोजना की समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर पंतनगर विश्वविद्यालय के डीन बी.एस. चलाल तथा वित्त नियंत्रक आभा गर्खाल का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश भी दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इतनी महत्वपूर्ण परियोजना की बैठकों में अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया जाएगा और भविष्य में भी ऐसी लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी भदौरिया ने समस्त विभागीय अधिकारियों से कहा कि पंतनगर एयरपोर्ट का विस्तारीकरण प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी विभाग पूरी गंभीरता, समन्वय और त्वरित गति से कार्य सुनिश्चित करें, ताकि निर्धारित समयसीमा के भीतर परियोजना के सभी चरण पूरे किए जा सकें। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, डीएफओ यूसी तिवारी, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, गौरव पाण्डे, निदेशक पन्तनगर एयरपोर्ट पवन कुमार, पीडी एनएचएआई अंचल जिंदल आदि मौजूद रहे।

नैनीताल जिला बना जुजित्सु में राज्य चैंपियन

उत्तराखंड राज्य जुजित्सु चैंपियनशिप में सर्वाधिक 76 पदक जीतकर खिलाड़ियों ने बढ़ाया मान

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

हल्द्वानी। जुजित्सु एसोसियेशन ऑफ़ उत्तराखंड के तत्वावधान में स्थानीय अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम उत्तराखंड राज्य जुजित्सु चैंपियनशिप में सर्वाधिक 76 पदक जीतकर नैनीताल जिला उत्तराखंड राज्य में चैंपियन बना। ऊधमसिंह नगर द्वितीय एवं देहरादून जिला तृतीय स्थान पर रहा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक डा. मोहन सिंह बिष्ट ने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया। जुजित्सु एसोसियेशन ऑफ़ इंडिया के निदेशक प्रशासन सतीश जोशी ने बताया कि उत्तराखंड राज्य जूनियर चैंपियनशिप–2025 में 36 स्वर्ण, 24 रजत एवं 16 कांस्य पदक जीतकर नैनीताल जिला उत्तराखंड का ओवरऑल चैंपियन बना। वहाँ ऊधमसिंह नगर के खिलाड़ियों ने 28 स्वर्ण, 16 रजत एवं 10 कांस्य सहित कुल 54 पदक जीतकर दूसरा तथा 7 स्वर्ण , 8 रजत, 5 कांस्य सहित कुल 20 पदक जीतकर हरिद्वार जिला राज्य में तीसरे स्थान पर रहा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की नई खेल नीति के कारण आज प्रदेश में खेल का माहौल तैयार हो रहा है। खिलाड़ियों को नकद धनराशि के साथ साथ सरकारी नौकरियां मिलने से खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल है जिसके कारण प्रदेश के खिलाड़ी निरंतर राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ा रहे हैं। उन्होंने विश्व चौंपियनशिप में पदक जीतकर लौटी प्रज्ञा जोशी एवं एशियन पदक विजेता नव्या पांडे को सम्मानित किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण खाती, अध्यक्षता जूजित्सु उत्तराखंड की अध्यक्ष रशिका सिद्दीकी, जूजित्सु इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय कुमार जोशी, जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत, करुणानिधि पांडेय, नरेंद्र राज्यवार, विश्व पदक विजेता प्रज्ञा जोशी, ऋषिपाल भारती, आदित्य सिंह, दीपक नौटियाल, यशपाल भट्ट मौजूद रहे।

सम्पादक : विनोद चन्द्र पनेरू

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक तथा सम्पादक विनोद चन्द्र पनेरू द्वारा भीड़ापानी ओखलकांडा प्रिन्टिंग प्रेस (मोती सिंह), भोलानाथ गार्डन हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित तथा हरिपुर लालमणि पो.ऑ- देवलचौड़, हल्द्वानी, नैनीताल (उत्तराखंड) से प्रकाशित। मो. 9410354318

Email:-vinodpaneru123@gmail.com

सामूहिक प्रयासों से कम होगा मानव वन्य जीव संघर्ष : रयाल

कहा, नए संसाधनों को जोड़ते हुए पुराने संशाधनों को संरक्षित रख मानव वन्य जीव संघर्ष को रोके जाने हेतु जनजागरूकता अभियान चलाया जाए

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

हल्द्वानी। मानव वन्य जीव संघर्ष की घटनाओं की रोकथाम हेतु जिला स्तर पर कवायद तेजी से, इस संबंध में शनिवार को हल्द्वानी कैम्प कार्यालय में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने सभी प्रभागीय वनाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए बढ़ते मानव वन्य जीव संघर्ष को रोकने हेतु आवश्यक कदम उठाते हुए कार्यवाही के निर्देश जिलाधिकारी श्री रयाल द्वारा अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि वन क्षेत्रान्तर्गत जहाँ से वन्य जीव बसावट की ओर आते हैं ऐसे क्षेत्रों में सोलर फेंसिंग को दुरस्त करने और उनका सही रख रखाव किया जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में मानव वन्य जीव संघर्षों की अधिक घटनाएं होती हैं वन विभाग उन सभी संवेदनशील वन क्षेत्रों से सटे गाँवों और इलाकों में गस्त बढ़ाये जिससे ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने विभाग को निर्देश दिए कि यदि किसी जगह पर लेपर्ड या किसी अन्य जंगली जानवर का मूवमेंट अधिक हो तो उसको देखते हुए उन क्षेत्रों में स्थित स्कूलों की टाइमिंग में भी यदि बदलाव करना पड़े तो शिक्षा अधिकारी उसको भी सुनिश्चित करें तथा स्कूल आते एवं छुट्टी के समय बच्चों के साथ किसी वयस्क व्यक्ति को भेजे जाने हेतु ग्रामीणों से भी समन्वय स्थापित कर लिया जाय। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से भी अपील की है कि जंगल क्षेत्रों में आवागमन अकेले ना करें। जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि जंगल में जिन क्षेत्रों से महिलाएं घास लेने जाती हैं उन मार्गों में मनरेगा के माध्यम से झाड़ी कटान एवं सफाई अभियान लगातार जारी रखा जाय ताकि आवागमन में किसी प्रकार की समस्या ना हो। इसके साथ ही मुख्य कृषि अधिकारी को निर्देशित किया है की जिन क्षेत्रों में जानवरों का आवागमन ज्यादा है वहां जानवरों का आवागमन को कम करने के लिए किस तरह की तीखी फैसलें उगाई जा सकती हैं इस पर विचार विमर्श कर लिया जाए तथा कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। जिलाधिकारी ने वन विभाग को निर्देशित किया कि जंगल के बीच में स्थित चाल खाल को पानी से लबालब भर दिया जाए जिससे जंगलों का मूवमेंट आबादी की तरफ ना हो। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने कहा कि जंगल के निकट स्थित विभिन्न रिजॉर्ट, होटल एवं रेस्टोरेंट से खाद्य सामग्री खुले में डालने से वन क्षेत्र से वन्य जीवों के आने की भी संभावना होती है इस हेतु संबंधितों को भी आवश्यक निर्देश जारी किए जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि मानव वन्य जीव संघर्ष को रोके जाने हेतु प्रभावी कदम उठाए जाय तथा इसपर पूर्ण रोकथाम की जाय। बैठक में डीएफओ हिमांशु बांगड़ी, ध्रुव मर्तोलिया, आकाश गंगवार, जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी,जिला शिक्षा अधिकारी पी सी टमटा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

धारी बीडीसी बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

धारी। क्षेत्र पंचायत धारी की बीती शुक्रवार को प्रमुख भावना आर्या की अध्यक्षता व विधायक राम सिंह कैड़ा की मौजूदगी में बैठक हुई। जिसमें प्रधानों ने ब्लाक की स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सडक, शिक्षा आदि समस्याओं को पुरजोर से उठाया। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक राम सिंह कैड़ा ने अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा ग्रामीणों को छोटी–छोटी समस्याओं के लिए विभागों का चक्कर न काटना पड़े। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने अपने अपने क्षेत्र से जुडी बिजली, पानी, सडक, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी मूलभूत समस्याओं को विधायक व अधिकारियो के समक्ष रखा। विधायक ने संबधित विभाग के अधिकारियों से पंचायत प्रतिनिधियों की बात को गंभीरता से सुनने और उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिये।

कहा अधिकारी पंचायत जनप्रतिनिधियों के साथ तालमेल बैठाकर क्षेत्र में संचालित विकास कार्यो व जनता से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने प्रयास करें। विधायक ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि गांवों में विकास कार्यों व समस्याओं के समाधान करने की दिशा में लगातार कार्य किया जायेगा। अंत में ब्लॉक प्रमुख भावना आर्या ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि बैठक में उठी समस्याओं की आगामी बैठक में पुनरावृत्ति नहीं हो। बैठक में ज्येष्ठ प्रमुख नंदाबल्लभ बृजवासी, जिला पंचायत सदस्य रेखा देवी, दीपक बिष्ट, कनिष्ठ प्रमुख, क्षेत्र पंचायत सदस्य, प्रधानगण व एसडीएम अंशुल भट्ट, डीडीओ गोपाल गिरी गोस्वामी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सेवानिवृत शिक्षक शिक्षिकाएं को किया गया समानित

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

हल्द्वानी। राजकीय शिक्षक संघ और समस्त ब्लॉक कार्यकारिणी के सहयोग से रविवार को एक बैंकेट हाल भगवानपुर में शैक्षिक सत्र 2024–25 में राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त शिक्षक–शिक्षिकाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर गजराज सिंह बिष्ट और विशिष्ट अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी हल्द्वानी तारा सिंह मौजूद रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकीय शिक्षक संघ उत्तराखंड के प्रान्तीय उपाध्यक्ष राजकुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वस्ति वाचन और शगुन आखर से किया गया। इस दौरान महापौर गजराज सिंह बिष्ट ने सेवा निवृत्त शिक्षक–शिक्षिकाओं को स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्रा देकर सम्मानित किया। इस समारोह में कई शिक्षक–शिक्षिकाओं ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में मंडलीय अध्यक्ष डा.गोकुल सिंह मर्तोलिया, मंडलीय मंत्री डा. रविशंकर गुसाईं, मंडलीय संरक्षक डा. हेम चन्द्र जोशी, जनपद नैनीताल के अध्यक्ष गिरीश जोशी, मंत्री पंकज बधानी, जगदीश सिंह बिष्ट, उपाध्यक्ष मदन गोस्वामी, डा. प्रदीप उपाध्याय, सीबीएस कन्याल, उपाध्यक्ष महिला कविता कपकोटी, गिरीश काण्डपाल, कुसुम पाण्डेय, रवीन्द्र कुमार, मनीष मिश्रा, डा. धर्मेन्द्र पनेरू, जय किशन आदि मौजूद रहे।

आगामी 12 जनवरी को होगा यूओयू का दसवां दीक्षांत समारोह

बतौर मुख्य अतिथि शामिल रहेंगे राज्यपाल गुरमीत सिंह समारोह के सफल सम्पादन हेतु कमेटियां भी गठित

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का दसवां दीक्षांत समारोह आगामी 12 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे आयोजित किया जाएगा। राजयपाल व कुलाधिपति कार्यालय को विश्वविद्यालय द्वारा भेजे गए आमंत्रण को राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने स्वीकृति प्रदान करते हुए समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहने की सहमति दी है। इस संबंध में राजभवन की ओर से औपचारिक स्वीकृति पत्र विश्वविद्यालय को प्राप्त हो चुका है। समारोह में इस वर्ष उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसार स्नातक स्तर पर 10 तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 18 शिक्षार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त दो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को कुलाधिपति मेडल एक स्नातक और एक स्नातकोत्तर श्रेणी में प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही चार प्रायोजित मेडल भी चुनिंदा विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रदान किए जाएंगे। दीक्षांत समारोह में तीन शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि भी प्रदान की जाएगी। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि दसवां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय की शैक्षिणक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। हमें हर्ष है कि राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने समारोह की शोभा बढ़ाने हेतु मुख्य अतिथि के रूप में आने की सहमति प्रदान की है। यह हमारे शिक्षार्थियों, शोधार्थियों और समस्त विश्वविद्यालय परिवार के लिए प्रेरणादायक अवसर है। विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार और शोध के प्रति प्रतिबद्ध है, और हमारी यह उपलब्धि उसी सतत प्रयास का परिणाम है।"उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय इस ऐतिहासिक आयोजन को गरिमामय, सुव्यवस्थित और शिक्षार्थी–केंद्रित बनाने के लिए व्यापक तैयारियाँ कर रहा है तथा लोकभवन उत्तराखंड व कुलाधिपति कार्यालय द्वारा मांगे गए समस्त विवरण समय पर राजभवन को प्रेषित किए जाएंगे। दीक्षान्त समारोह की तिथि निर्धारित होने के क्रम में समारोह के सफल सम्पादन हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर अलग–अलग कमेटियां भी गठित की गई हैं।

हल्द्वानी से हरिद्वार तक बनेगी एलिवेटेड रोड

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

हल्द्वानी। कुमाऊं क्षेत्र के लिए बड़ी राहत और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र के सांसद अजय भट्ट ने बताया कि हल्द्वानी से हरिद्वार तक एलिवेटेड रोड निर्माण की प्रक्रिया को राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही लालकुआं में बाईपास निर्माण के लिए डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। सांसद अजय भट्ट ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा हल्द्वानी–हरिद्वार एलिवेटेड रोड के लिए क्व तैयार करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। डीपीआर तैयार होते ही परियोजना के निर्माण हेतु टेंडर आमंत्रित कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि एलिवेटेड रोड बनने के बाद हल्द्वानी से हरिद्वार का सफर दो से ढाई घंटे में पूरा करना संभव होगा, जिससे परिवहन क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन आएगा।

यह मार्ग न केवल कुमाऊं वासियों के लिए यात्रा को सुगम बनाएगा, बल्कि कुमाऊं आने वाले पर्यटकों के लिए भी सुविधा बढ़ाएगा।

इसी प्रकार, लालकुआं बाईपास को लेकर भी विभाग ने मंजूरी प्रदान कर दी है तथा डीपीआर के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। बाईपास बनने के बाद लालकुआं क्षेत्र में बढ़ते यातायात दबाव में कमी आएगी और वाहनों की आवाजाही और भी सुगम होगी। सांसद भट्ट ने कहा कि इन दोनों परियोजनाओं के पूरा होने से कुमाऊं के धार्मिक, पर्यटन और व्यापारिक क्षेत्रों को बड़ा लाभ मिलेगा तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी।

धूमधाम से मनाया सशस्त्र झंडा दिवस

हल्द्वानी। हर वर्ष की भांति इस बार भी रविवार को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा सशस्त्र सेना झण्डा दिवस बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें सशस्त्र बलों के शहीदों को याद किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कार्यक्रम के तहत कर्नल रमेश सिंह जिला सैनिक कल्याण अधिकारी और ले.कर्नल बीएस रौतेला अप्रा अध्यक्ष, उत्तराखण्ड पूर्व सैनिक लीग, हल्द्वानी ने जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल को टोकन फ्लैग और लापेल पिन भेंट कर सशस्त्रा सेना झण्डा दिवस की शुरुआत की। इसके बाद जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने कार्यालय में उपस्थित पूर्व सैनिकों और एनसीसी कैडेट्स को सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी। जागरुकता फैलाने के लिए एनसीसी कैडेट्स ने हल्द्वानी शहर के मुख्य बाजारों में रैली निकाली और नागरिकों को टोकन फ्लैग लगाए।

बागेश्वर में सीएम ने की विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा

उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में पर्यटन, जैविक उत्पाद एवं जनसेवा कार्यों में पारदर्शिता और गति लाने पर विशेष जोर

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

बागेश्वर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बीते शनिवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर विभिन्न विभागोंकूलोक निर्माण विभाग, शिक्षा, पीएमजीएसवाई, जल संस्थान, विद्युत, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, कृषि एवं उद्यानकृकी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे सहित सभी विभागाध्यक्षों ने मुख्यमंत्री को जनपद में संचालित प्रमुख विकास योजनाओं, उपलब्धियों एवं प्रगति की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त ताइक्वांडो खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

उन्होंने कहा कि ऐसे खिलाड़ी प्रदेश का गौरव बढ़ाते हैं और युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि केंद्र व राज्य सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध रूप से पहुँचना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग में लापरवाही या विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी बुनियादी सेवाएँ निरंतर सुचारू रहें और जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि बागेश्वर में पर्यटन, प्राकृतिक संसाधन, सांस्कृतिक धरोहर और कृषि आधारित आर्थिक गतिविधियों के विकास की अपार संभावनाएँ हैं।

उन्होंने साहसिक पर्यटन के नए स्थलों की पहचान करने और विंटर टूरिज्म को बढ़ावा देने हेतु विशेष कार्ययोजना बनाने को कहा। उन्होंने बताया कि जनपद में प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण और हेली सेवाओं के विस्तार पर तेजी से कार्य हो रहा है, जिससे पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। कृषि एवं उद्यान विभाग को लाल चावल, अदरक, हल्दी जैसी स्थानीय फसलों के लिए मजबूत बाज़ार उपलब्ध कराने, शहद उत्पादन को मिशन मोड में बढ़ाने तथा एप्पल–कीवी जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों को आधुनिक तकनीक व मार्केट लिंक से जोड़ने के निर्देश दिए गए। समाज कल्याण विभाग को जागरूकता शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब पेंशन राशि प्रत्येक माह की 05 तारीख को नियमित समय पर खातों में भेजी जा रही है। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि प्राथमिक विद्यालय कपकोट अब राज्य के उत्कृष्ट विद्यालयों में शामिल है और रिवर्स पलायन देखने को मिला है, विद्यालय के उन्नयन की प्रक्रिया प्रगति पर है। उन्होंने यह भी बताया कि बागेश्वर को हर्बल जिला बनाने की दिशा में कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में हर्बल उत्पादों की वैश्विक मांग को देखते हुए जनपद में व्यापक संभावनाएँ हैं। अंत में मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों से कहा कि लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान, लंबित प्रकरणों का निस्तारण और लगातार जनसेवा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिया कि कोई भी कार्य लंबित न रहे और आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, विधायक सुरेश गढ़िया एवं पार्वती दास, दर्जा राज्यमंत्री भूपेश उपाध्यक्ष एवं शिव सिंह बिष्ट, तथा अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, मुख्यमंत्री धामी ने रविवार को जनपद दौरे के दूसरे दिन तड़के सरयू नदी तट पर चल रहे विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि सभी कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण किए जाएं। मुख्यमंत्री ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं और सरकार की योजनाओं पर फीडबैक प्राप्त किया। इसके बाद मुख्यमंत्री बैडमिंटन इंडोर स्टेडियम पहुंचे, जहाँ उन्होंने खिलाड़ियों के साथ बैडमिंटन खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रशिक्षण सुविधाओं, खेल उपकरणों एवं संसाधनों की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए कहा कि राज्य सरकार खेल अवसंरचना को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप विकसित करने के लिए लगातार प्रयासरत है, ताकि उत्तराखण्ड के खिलाड़ी राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

मुख्यमंत्री धामी इसके बाद बागनाथ मंदिर पहुंचे, जहाँ उन्होंने विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर प्रदेश की सुख–समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया और अपने विचार साझा किए। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री धामी ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दिवस देश के वीर सैनिकों की अदम्य वीरता, बलिदान और उत्कृष्ट सेवाओं को स्मरण करने का अवसर है। इस दौरान सैनिक कल्याण विभाग ने मुख्यमंत्री को टोकन फ्लैग एवं लापेल पिन लगाया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे, दर्जा राज्यमंत्री शिव सिंह बिष्ट, भूपेश उपाध्याय, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, विधायक पार्वती दास, विधायक सुरेश गडिया, पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल, अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल, एसडीएम प्रियंका रानी, ललित मोहन तिवारी सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

108 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

बागेश्वर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को बागेश्वर दौरे के दूसरे दिन, केदारेश्वर मैदान, कपकोट में आयोजित जन सम्मेलन में प्रतिभाग किया, जहां उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने उत्साहपूर्वक मुख्यमंत्री का अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री ने 108 करोड़ रुपये की 42 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। जिसमें लगभग 62 करोड़ की 24 योजनाओं का लोकार्पण तथा 45.95 करोड़ की 18 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूली बच्चों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिसने वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि जनता की विशाल उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार विकास के सही मार्ग पर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि गरीब वर्ग, महिलाओं और युवाओं के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने 'मानस खंड माला' परियोजना के तहत धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की प्रगति की जानकारी साझा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शीतकालीन पर्यटन की नई पहल से प्रदेश में वर्षभर पर्यटन गतिविधियाँ बढ़ेंगी और स्थानीय लोगों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्यरत है और वन डिस्ट्रिक्टदृटू प्रोडक्ट के तहत बागेश्वर की पारंपरिक ताम्र शिल्प को राष्ट्रीय पहचान मिल रही है। सरयू एवं गोमती नदियों के संरक्षण कार्य निरंतर प्रगति पर हैं, वहीं बागेश्वर रेल लाइन का सर्वेक्षण भी पूर्ण हो चुका है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि गरुड़ अस्पताल का उच्चीकरण किया जाएगा, जिससे स्थानीय जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। इसके साथ ही विभिन्न स्वायत सहकारिता एवं स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता के चेक प्रदान किए गए । मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया, स्थानीय हस्तशिल्पकारों से संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं और उनके कार्य का उत्साहवर्द्धन किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, कपकोट विधायक सुरेश गड़िया, बागेश्वर विधायक पार्वती दास, दर्जा राज्यमंत्री भूपेश उपाध्याय, शिव सिंह विष्ट, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विशाखा खेतवाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री बलवंत सिंह भौंर्याल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रभा गड़िया, नगर पालिका अध्यक्ष सुरेश खेतवाल, एसपी चंद्र सिंह घोड़के, सीडीओ आरसी तिवारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

विभिन्न संगठनों संग संवाद कर विकास योजनाओं की दिशा की तय

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

बागेश्वर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने दो दिवसीय जनपद भ्रमण के प्रथम दिन गरुड़ बैजनाथ में आयोजित संवाद कार्यक्रम में प्रबुद्ध जनों, राज्य आंदोलनकारियों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं तथा विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों से विस्तृत विचार–विमर्श किया।

मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों के सुझावों को राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए आश्वस्त किया कि इन्हें आगामी योजनाओं और नीतियों में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न संगठन और एसोसिएशन समाज को नई दिशा देने वाले हैं और सरकार व जनता के बीच सशक्त सेतु का कार्य कर सकते हैं। मुख्यमंत्री द्वारा सूचित किया गया कि सरकार निरंतर राजगार सृजन पर कार्य कर रही है। एसएचजी की पहल की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में लाखों बहनें 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं और उनके उत्पादों की मांग देश–विदेश में बढ़ रही है। उन्होंने मातृशक्ति द्वारा विपरीत परिस्थितियों में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने एप्पल मिशन में सब्सिडी, होमस्टे योजना, कीवी एवं एप्पल मिशन की प्रगति को संतोषजनक बताते हुए कहा कि ये योजनाएँ रोजगार व स्वरोजगार सृजन में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक जनपद के प्रमुख स्थान हेली सेवा से जोड़े जाएँ तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसखंड केदारखंड सहित सभी धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार से राज्य में पर्यटन के नए आयाम स्थापित हुए हैं। मुख्यमंत्री धामी ने पर्यटक आवास गृह बैजनाथ में आयोजित मंथन एवं संवाद कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में प्रदेश विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में तीव्र गति से कार्य कर रहा है। इस दौरान डीएम आकांक्षा कौंडे, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, विधायक सुरेश गढ़िया एवं पार्वती दास, दर्जा राज्यमंत्री भूपेश उपाध्यक्ष एवं शिव सिंह बिष्ट, तथा समस्त जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।